<table>
<tr><td>4</td><td colspan="3">प्रयोगात्मक - 2</td><td>एम0पी0ए0एम0आई0-104</td><td>350</td><td>14</td></tr>
<tr><td rowspan="4">प्रथम खण्ड</td><td colspan="3">* प्रदर्शन – 1</td><td rowspan="4"></td><td rowspan="4"></td><td rowspan="4"></td></tr>
<tr><td>इकाई 1 -पूरिया कल्याण</td><td>इकाई 2 -बिहागडा</td><td>इकाई 3 -बैरागी</td></tr>
<tr><td>इकाई 4 -भैरव</td><td>इकाई 5 - केदार</td><td>इकाई 6 -मालकौंस</td></tr>
<tr><td colspan="3">• मंच प्रदर्शन के राग एवं प्रदर्शन - 1 के सभी रागों में रजाखानी गत, आलाप, जोड आलाप, तोडे वझाला।</td></tr>
<tr><td rowspan="3">द्वितीय खण्ड</td><td colspan="3">*प्रदर्शन - 2 एवं वाद्य को मिलाने का ज्ञान</td><td rowspan="3"></td><td rowspan="3"></td><td rowspan="3"></td></tr>
<tr><td colspan="3">इकाई 1 - पाठ्यक्रमों के रागों में से किन्हीं दो रागों में आलाप, द्रुत गत वतोडे।</td></tr>
<tr><td colspan="3">इकाई 2 - अपने वाद्य को मिलाने का ज्ञान।</td></tr>
<tr><td rowspan="4">तृतीय खण्ड</td><td colspan="3">* पढन्त एवं मौखिक परीक्षा</td><td rowspan="4"></td><td rowspan="4"></td><td rowspan="4"></td></tr>
<tr><td colspan="3">इकाई 1 -पाठ्यक्रम की तालों के ठेकों की पढन्त।</td></tr>
<tr><td colspan="3">इकाई 2 -पाठ्यक्रम की तालों की लयकारी (दुगुन, तिगुन, चौगुन व आड़) में पढन्त।</td></tr>
<tr><td colspan="3">इकाई 3 -पाठ्यक्रम सम्बन्धित मौखिक परीक्षा।</td></tr>
<tr><td colspan="7">राग - श्यामकल्याण , जैजैवन्ती , अहीर भैरव , झिंझोटी , पूरिया कल्याण , बैरागी , बिहागडा , भैरव , केदार व मालकौंस
ताल - तीनताल , झपताल , एकताल , आडाचारताल , रूपक , चारताल , धमार व 9 मात्रा की ताल</td></tr>
<tr><td colspan="7">सहायक/उपयोगी पाठ्य सामग्री -
1.वसन्त, संगीत विशारद, संगीत कार्यालय, हाथरस, उ0 प्र0 । 2. श्रीमती शान्ति गोवर्धन, संगीत शास्त्र दर्पण ।
3. डॉ0 लक्ष्मीनारायण गर्ग,राग विशारद(दोनों भाग),4. पं0 विष्णु नारायण भातखण्डे, भातखण्डे क्रमिक पुस्तक मालिका संगीत कार्यालय, हाथरस, उ0 प्र0 । (सभी भाग), संगीत कार्यालय, हाथरस, उ0 प्र0 ।
5. श्री एस0एस0 परान्जपे,भारतीय संगीत का इतिहास</td></tr>
</table>